MAIN NEWS HEADLINE नगालैंड बाढ़ से रेस्क्यू की गई 53 वर्षीय हथनी जाय

विषय सूची (Table of Contents):

>> नगालैंड बाढ़ रेस्क्यू की गई 53 वर्षीय हथनी जायमोती विशेष इलाज के लिए वंतारा र...

>> आपातकालीन राहत और प्राथमिक उपचार...

>> जलभराव में बहने के बाद एजेंसियों और ग्रामीणों ने किया सफल रेस्क्यू...

>> स्थानीय समुदाय और राहत दलों का साहसिक प्रयास...

>> आंखों में इन्फेक्शन और पैर में गंभीर चोट से जूझ रही है जायमोती...

>> मल्टीपल इंजरी और चलने-फिरने में असमर्थता...

>> देश में पहली बार हथनी को एयरलिफ्ट कर जामनगर भेजने का ऐतिहासिक फैसला...

>> हवाई परिवहन के दौरान विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल...

>> वंतारा पहुंचने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी स्वास्थ्य जांच और उन्नत इलाज...

>> उन्नत डायग्नोस्टिक्स और लेजर थेरेपी योजना...

>> जानिए क्या है गुजरात का विश्वस्तरीय वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा ?...

>> वंतारा की प्रमुख विशेषताएं और विश्वस्तरीय सुविधाएं...

>> हाथियों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वंतारा की नई पहल और प्रस्ताव...

>> पूर्वोत्तर में 3 नए वाइल्डलाइफ केयर सेंटर का प्रस्ताव...

>> निष्कर्ष...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

Latest Update 2026:पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड में आई विनाशकारी प्राकृतिक आपदा और बाढ़ के बीच एक मानवीय और संवेदनशील रेस्क्यू ऑपरेशन देखने को मिला है। जलभराव के तेज बहाव में फंसी 53 वर्षीय बुजुर्ग हथनी जायमोती को सुरक्षित बचाए जाने के बाद अब उन्नत मेडिकल केयर के लिए गुजरात के जामनगर स्थित प्रसिद्ध वंतारा (Vantara) केंद्र भेजा जा रहा है।

वन्यजीव संरक्षण और आपातकालीन पशु चिकित्सा के क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। बाढ़ की चपेट में आने के कारण जायमोती गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही है, जिसके लिए उसे विशेष चिकित्सीय देखरेख की तत्काल आवश्यकता है।

नगालैंड बाढ़: रेस्क्यू की गई 53 वर्षीय हथनी जायमोती विशेष

नगालैंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में जलस्तर अचानक बढ़ने से कई वन्यजीव संकट में आ गए थे। इसी दौरान 53 वर्ष की मादा हाथी जायमोती तेज पानी के बहाव में फंसकर बह गई थी। राहत एवं बचाव दलों ने समय रहते तत्परता दिखाते हुए उसे डूबने से बचाया।

आपातकालीन राहत और प्राथमिक उपचार

रेस्क्यू किए जाने के तुरंत बाद स्थानीय पशु चिकित्सकों द्वारा हथनी की प्राथमिक जांच की गई। उसे तत्काल डिहाइड्रेशन और दर्द से राहत देने के लिए जरूरी दवाएं, घाव की ड्रेसिंग और मल्टीविटामिन सप्लीमेंट्स दिए गए, ताकि उसकी स्थिति को स्थिर किया जा सके।

अगर आप देश-दुनिया की अन्य प्रमुख प्रशासनिक और विकास से जुड़ी खबरें जानना चाहते हैं, तोकेंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर: दिल्ली में शिफ्ट क्लिक करके पूरा विवरण पढ़ सकते हैं।

जलभराव में बहने के बाद एजेंसियों और ग्रामीणों ने किया सफल रे

बाढ़ के विकट हालात में भारी-भरकम जीव को सुरक्षित बाहर निकालना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था। स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसियों, वन विभाग के कर्मियों और जांबाज ग्रामीणों ने आपसी समन्वय के साथ एक संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया।

स्थानीय समुदाय और राहत दलों का साहसिक प्रयास

दलदली जमीन और तेज पानी के बहाव के बीच ग्रामीणों ने राहत दलों को सटीक भौगोलिक जानकारी दी। भारी रस्सियों और सुरक्षा उपकरणों की मदद से जायमोती को सुरक्षित तट पर लाया गया। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन ने वन्यजीव प्रेमियों के बीच मानवीय संवेदना की नई मिसाल पेश की है।

>> त्वरित सूचना प्रणाली:ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को समय पर दी गई सूचना ने जान बचाई।

>> समन्वित रेस्क्यू एक्शन:भारी जलभराव के बावजूद सुरक्षित गलियारा तैयार किया गया।

>> फील्ड मेडिकल सपोर्ट:किनारे पर लाते ही तुरंत एंटीसेप्टिक और पेनकिलर इंजेक्शन लगाए गए।

आंखों में इन्फेक्शन और पैर में गंभीर चोट से जूझ रही है जायमो

53 वर्ष की उम्र के पड़ाव पर पहुंच चुकी जायमोती पहले से ही शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त थी। बाढ़ के गंदे पानी और मलबे के संपर्क में आने से उसकी दोनों आंखों में गंभीर बैक्टीरियल इन्फेक्शन फैल गया है, जिससे उसकी देखने की क्षमता प्रभावित हुई है।

मल्टीपल इंजरी और चलने-फिरने में असमर्थता

चिकित्सकीय रिपोर्ट के अनुसार, जायमोती के पिछले बाएं पैर में लंबे समय से पुराना गहरा घाव है। बाढ़ के झटकों के कारण पैर की चोट और अधिक बढ़ गई है,

जिससे उसे खड़े होने और चलने-फिरने में असहनीय दर्द का सामना करना पड़ रहा है।

देशभर में ग्रामीण विकास और नागरिकों के कल्याण हेतु कई योजनाएं संचालित हैं आपपीएम आवास योजना: लिस्ट और पात्रता चेक करें, मिलेंगे 1.3 लाख!लिंक पर जाकर नई लाभार्थी सूची और ऑनलाइन स्टेटस चेक कर सकते हैं।

देश में पहली बार: हथिनी को एयरलिफ्ट कर जामनगर भेजने का ऐतिहास

जायमोती की नाजुक शारीरिक स्थिति और सड़क मार्ग से लंबी यात्रा के खतरों को देखते हुए वन्यजीव विशेषज्ञों ने उसे एयरलिफ्ट करने का साहसिक निर्णय लिया। भारत के वन्यजीव चिकित्सा इतिहास में किसी विशालकाय हाथी को हवाई मार्ग से ले जाने का यह पहला अभूतपूर्व मामला है।

हवाई परिवहन के दौरान विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल

विशेष रूप से सुसज्जित कार्गो विमान में जायमोती के लिए तापमान नियंत्रण, मेडिकल मॉनिटरिंग और ऑक्सीजन सपोर्ट की व्यवस्था की गई है। उड़ान के दौरान पशु चिकित्सकों और महावतों की एक समर्पित टीम लगातार उसके वाइटल साइन्स की निगरानी कर रही है।

वंतारा पहुंचने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी स्वास्थ्य ज

गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा केंद्र पहुंचते ही जायमोती को सीधे अत्याधुनिक वन्यजीव अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। वहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पशु शल्य चिकित्सक और नेत्र रोग विशेषज्ञ उसकी विस्तृत जांच करेंगे।

उन्नत डायग्नोस्टिक्स और लेजर थेरेपी योजना

वंतारा में मौजूद अत्याधुनिक तकनीक जैसे डिजिटल एक्स-रे, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और हाइड्रोथेरेपी के जरिए उसके पैर के पुराने घाव का गहन उपचार किया जाएगा। आंखों के इन्फेक्शन को ठीक करने के लिए विशेष ऑप्थल्मोलॉजिकल लेजर व दवाओं का उपयोग होगा।

शिक्षा जगत से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उम्मीदवारUGC NET 2026: पेपर 1 और 2 का पूरा सिलेबस और नया एग्जाम पैटर्न!डाउनलोड कर सकते हैं।

जानिए क्या है गुजरात का विश्वस्तरीय वन्यजीव पुनर्वास केंद्र

वंतारा (Vantara), गुजरात के जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा स्थापित एवं संचालित दुनिया का सबसे बड़ा वन्यजीव बचाव,

संरक्षण और पुनर्वास केंद्र है। लगभग 3,500 एकड़ के विशाल हरित परिसर में फैला यह केंद्र संकटग्रस्त जीवों के लिए एक नया जीवनदाता बन चुका है।

वंतारा की प्रमुख विशेषताएं और विश्वस्तरीय सुविधाएं

>> विशाल प्राकृतिक पर्यावास:पशुओं के लिए उनके प्राकृतिक वातावरण के अनुकूल खुले जंगल, तालाब और प्राकृतिक शेल्टर।

>> अत्याधुनिक वाइल्डलाइफ हॉस्पिटल:एमआरआई (MRI), सीटी स्कैन और आईसीयू जैसी सुविधाओं से लैस विश्वस्तरीय अस्पताल।

>> समर्पित पोषण और आहार:प्रत्येक पशु की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर व्यक्तिगत डाइट चार्ट।

हाथियों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वंतारा की नई पहल और प

वंतारा केवल गुजरात तक सीमित न रहकर पूरे देश में वन्यजीव स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है। संगठन ने पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर असम और नगालैंड में हाथियों के संरक्षण के लिए अत्याधुनिक सेंटर स्थापित करने की रूपरेखा तैयार की है।

पूर्वोत्तर में 3 नए वाइल्डलाइफ केयर सेंटर का प्रस्ताव

वंतारा प्रबंधन ने असम में हाथियों की विशेष देखभाल हेतु समर्पित सेंटर सहित कुल तीन अत्याधुनिक वाइल्डलाइफ वेटेरिनरी केयर सेंटर स्थापित करने का औपचारिक प्रस्ताव दिया है। इससे भविष्य में किसी भी प्राकृतिक आपदा के समय स्थानीय स्तर पर ही वन्यजीवों को तुरंत क्रिटिकल केयर मिल सकेगी।

निष्कर्ष

नगालैंड बाढ़ की त्रासदी से बचाई गई 53 वर्षीय हथनी जायमोती का सफल रेस्क्यू और उसे एयरलिफ्ट कर वंतारा ले जाना भारत में वन्यजीव संरक्षण और चिकित्सा आपातकाल प्रबंधन के एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत है। आधुनिक चिकित्सा और संवेदनशील देखभाल के बल पर उम्मीद है कि जायमोती जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकेगी।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

जायमोती नगालैंड में बाढ़ के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसकी आंखों में गहरा इन्फेक्शन है और पैर में पुरानी गंभीर चोट है, जिसके उन्नत और

गहन इलाज के लिए उसे गुजरात के जामनगर स्थित विश्वस्तरीय वन्यजीव केंद्र वंतारा भेजा जा रहा है।

हां, उन्नत चिकित्सा देखभाल और विशेष आपातकालीन इलाज के लिए किसी हाथी को हवाई मार्ग (एयरलिफ्ट) से एक राज्य से दूसरे राज्य ले जाने का यह भारत में पहला ऐतिहासिक मामला है।

वंतारा गुजरात के जामनगर में 3,500 एकड़ में फैला एक विश्वस्तरीय वन्यजीव बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र है, जिसे रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जाता है।

53 वर्षीय हथनी जायमोती की आंखों में बाढ़ के पानी से सीवियर इन्फेक्शन हो गया है और उसके पिछले बाएं पैर में गंभीर व पुराना घाव है, जिससे उसे चलने और खड़े होने में अत्यधिक कठिनाई हो रही है।

वंतारा ने पूर्वोत्तर क्षेत्र, विशेषकर असम में हाथियों के विशेष उपचार केंद्र सहित कुल तीन नए अत्याधुनिक वाइल्डलाइफ वेटेरिनरी केयर सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।